3 आसमान गिरा

कहानी

पाठ चर्चा : प्रस्तुत कहानी में बताया गया है कि किसी भी बात की सच्चाई का पता लगाना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है। हमें कही-सुनी बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए। कभी-कभी कही-सुनी बात आगे वायरल करने पर हम मुसीबत में फँस जाते हैं।

एक दिन छोटा चूज़ा आम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। तभी आसमान में कुछ बादल घिर आए। तेज़ हवा चलने लगी। बिजली कड़की और उसी के साथ चूज़े के सिर पर कुछ गिरा। चूज़े ने चौंककर ऊपर देखा।

चूज़ा घबरा गया और तेज़ी से भागने लगा। भागते-भागते वह चिल्ला रहा था—"भागो-भागो। आसमान गिर रहा है।" चूहे ने चूज़े को तेज़ी से भागते देखा तो उसने पूछा, "क्या बात है? क्यों भाग रहे हो?" चूज़ा बोला, "भागो, भागो, आसमान गिर रहा है।"

चूहा यह सुनकर घबरा गया। वह भी "भागो, भागो" चिल्लाते हुए चूज़े के पीछे भागने लगा। आगे जाने पर एक खरगोश मिला। खरगोश ने जब यह सुना, तो वह भी घबराकर भागने लगा। अब आगे चूज़ा था, पीछे चूहा, फिर खरगोश।

तभी उधर से एक लोमड़ी गुज़री। उन्हें भागते देख उसने पूछा, "क्या हुआ मित्रो? क्यों भाग रहे हो?"

खरगोश बोला, "भागो, भागो। आसमान गिर रहा है। जान बचाकर भागो।"

लोमड़ी यह सुनकर घबरा गई और वह भी तीनों के पीछे भागने लगी। अब चारों चिल्लाते हुए भाग रहे थे।

तभी एक हाथी ने देखा कि चूज़ा, चूहा, खरगोश और लोमड़ी चारों तेज़ी से भाग रहे हैं।

उन्हें भागते हुए देखकर हाथी भी घबरा गया। वह भी चारों के पीछे-पीछे भागने लगा। भागते-भागते एक गुफा के सामने शेर मिला। उसने पूछा, "क्या हुआ? कहाँ भागे जा रहे हो?"

चूज़ा बोला, "महाराज! आसमान टूटकर गिर रहा है। मेरे ऊपर भी एक टुकड़ा आकर गिरा।" शेर ने हैरानी से कहा, "क्या कभी आसमान भी गिरता है?"

फिर उसने चारों की तरफ़ देखकर पूछा, "क्यों और किसी ने आसमान को गिरते हुए देखा है?" चूहा, खरगोश, लोमड़ी व हाथी ने ना में सिर हिलाया।

चूज़ा बोला, "पर मेरे सिर पर आसमान का एक टुकड़ा टूटकर गिरा था।"

शेर ने कहा, "अच्छा, हमें वहाँ ले चलो। मैं वह टुकड़ा देखना चाहता हूँ।"

चूज़े के साथ सब आम के पेड़ के नीचे पहुँचे। वहाँ केवल एक आम ही पड़ा था।

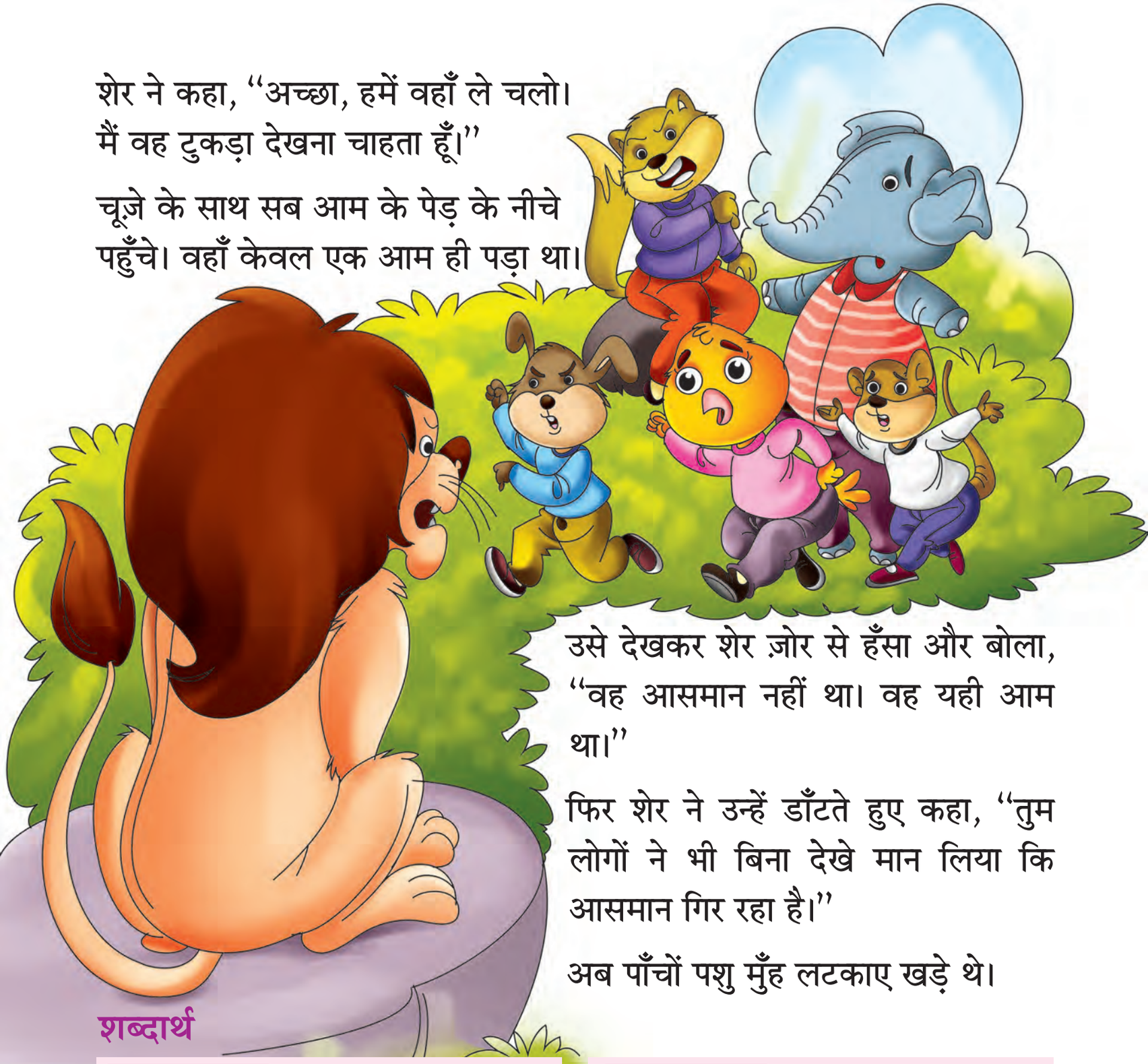

उसे देखकर शेर ज़ोर से हँसा और बोला, "वह आसमान नहीं था। वह यही आम था।"

फिर शेर ने उन्हें डाँटते हुए कहा, "तुम लोगों ने भी बिना देखे मान लिया कि आसमान गिर रहा है।"

अब पाँचों पशु मुँह लटकाए खड़े थे।

शब्दार्थ

चूज़ा	मुरगी का बच्चा	**गुफा**	शेर के रहने का स्थान
बिजली	आवाज़ के साथ बिजली	**हैरानी**	अचंभा
कड़कना	चमकना		

मुहावरा : मुँह लटकाना— शर्म के कारण चेहरा नीचे करना।

श्रुतलेख : चूज़ा मित्र लोमड़ी टुकड़ा मुँह चौंककर हँसा डाँटते पाँचों खरगोश

अभ्यास

मौखिक कार्य.....

❖ **उत्तर बताओ :**

क. खरगोश के पीछे कौन भाग रहा था?

ख. शेर को किस बात पर हैरानी हुई?

ग. पेड़ के नीचे क्या गिरा था?

लिखित कार्य.....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

क. चूज़े को भागते हुए पहले किसने देखा?

.....

ख. शेर ने चूज़े से कहाँ ले चलने को कहा?

.....

ग. अंत में सारे पशु मुँह लटकाए क्यों खड़े थे?

.....

2. सही उत्तर के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. चूज़ा किस पेड़ के नीचे लेटा हुआ था?

(i) आम ☐ (ii) संतरा ☐ (iii) सेब ☐

ख. चूज़े के ऊपर क्या गिरा था?

(i) पेड़ ☐ (ii) आसमान ☐ (iii) आम ☐

ग. चूज़े की बात पर कौन हँसा?

(i) शेर ☐ (ii) हाथी ☐ (iii) लोमड़ी ☐

3. किसने कहा, चित्रों से मिलान करो :

क. "क्या बात है? क्यों भाग रहे हो?"

ख. "क्या हुआ? क्यों भागे जा रहे हो?"

ग. "क्या हुआ मित्रो? क्यों भाग रहे हो?"

भाषा की बात.....

1. उलटे अर्थ वाले शब्दों से मिलाओ :

छोटा	नीचे
आगे	बाहर
ऊपर	पास
अंदर	रोना
दूर	बड़ा
हँसना	पीछे

याद रखें : उलटे अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

2. समान तुक वाले शब्दों से अलग शब्द पर ☁ बनाओ :

शेर >	बेर	सेब	देर
भाग >	जाग	दाग	दावत
शोर >	ज़ोर	मोर	नाचो

3. चित्र के नाम पर ✓ लगाकर वाक्य में लिखो:

क. पेड़ के नीचे लेटा था।

चूज़ा ☐ खरगोश ☐ चूहा ☐

चूज़ा पेड़ के नीचे लेटा था।.....

ख. यह सुनकर घबरा गया।

लोमड़ी ☐ चूहा ☐ शेर ☐

.....

ग. उनके पीछे भागने लगा।

खरगोश ☐ चूहा ☐ हाथी ☐

.....

विचार-कौशल.....

❖ यदि शेर भी आसमान गिरने की बात मानकर भागना शुरू कर देता, तो क्या होता? सोचकर लिखो।

.....

.....

रचनात्मक कार्य.....

❖ रंग भरो :